ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–59
दिनांक: मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.5 एवं 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 87 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.0 एवं दोपहर में 35.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि 33.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(05–09 अगस्त, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 05 से 09 अगस्त, 2026तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में मेघगर्जन, वज्रपात एवं तेज हवा चलने की संभावना है। वैशाली, मधुबनी, शिवहर, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा एवं मुजफ्फरपुर जिलों में 5–7 अगस्त के दौरान मेघगर्जन एवं वज्रपात की संभावना है, जबकि अन्य जिलों में भी पूरे पूर्वानुमान अवधि के दौरान ऐसी मौसमी परिस्थितियाँ बन सकती हैं।
- इस दौरान हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। 5 अगस्त के आसपास सीवान, शिवहर, सीतामढ़ी तथा पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण के कुछ भागों में भारी वर्षा होने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 30–36°C तथा न्यूनतम तापमान 25–27°C के बीच रहने का अनुमान है।
- सुबह के समय सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 90% तथा दोपहर के समय सापेक्षिक आर्द्रता 60–65% के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी एवं दक्षिणी दिशा से 10–15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- धान: धान में खरपतवार नियंत्रण हेतु प्रति हेक्टेयर 500–600 लीटर पानी में ब्यूटाक्लोर 3.0 लीटर या प्रीटिलाक्लोर 1.5 लीटर अथवा पेंडीमेथालिन 3.0 लीटर मिलाकर मौसम साफ रहने की स्थिति में समान रूप से छिड़काव करें।
- मिश्रीकंद: अच्छी जल निकासी वाली ऊँची भूमि में *राजेन्द्र मिश्रीकंद*–1 एवं *राजेन्द्र मिश्रीकंद*–2 की बुआई करें। अगस्त में 30–40 किग्रा बीज/हेक्टेयर तथा 30×15 सेमी दूरी रखें। प्रति हेक्टेयर 200 क्विंटल गोबर की खाद/कम्पोस्ट, 80 किग्रा नत्रजन, 60 किग्रा फॉस्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश दें। नेत्रजन की आधी मात्रा तथा फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय तथा शेष नत्रजन 40–45 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के रूप में दें।
- खरीफ प्याज: खरीफ प्याज की रोपाई अगस्त माह में पूरा कर लें। वर्षा जल का उपयोग कर खेत तैयार करें तथा अंतिम जुताई में 150–200 क्विंटल सड़ी गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर मिलाएँ। पौधशाला को खरपतवार मुक्त रखें तथा तेज धूप से बचाव के लिए 6–7 फीट ऊँचाई पर शेड नेट लगाएँ।
- आम: जुलाई–अगस्त में आम का रोपण करें। कलमी पौधों के लिए 10×10 मीटर तथा बीजू पौधों के लिए 12×12 मीटर दूरी रखें। सघन बागवानी हेतु 5×5 मीटर एवं अमरपाली किस्म के लिए 2.5×2.5 मीटर दूरी अपनाएँ। पौधों की नियमित छंटाई एवं प्रशिक्षण करें।
- केला: स्वस्थ एवं रोगमुक्त सकर्स या टिश्यू कल्चर पौधों की रोपाई करें। लंबी किस्मों के लिए 2.0 × 2.0 मीटर तथा बौनी किस्मों के लिए 1.5×1.5 मीटर दूरी रखें। प्रत्येक गड्ढे में 5 किग्रा गोबर की खाद, 500 ग्राम अरंडी खली, 300 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट, 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 10 ग्राम कार्बोफ्यूरान मिलाएँ। रोपाई से पहले सकर्स को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/लीटर पानी से उपचारित करें।
- मशरूम: अभी के मौसम मे दूधिया एवं ऑयस्टर मशरूम की खेती करें। उत्पादन कक्ष/शेड की मरम्मत एवं सफाई कर आवश्यक तैयारियाँ पूरी करें तथा उच्च गुणवत्ता वाला स्पॉन केवल प्रमाणित स्रोत या विश्वसनीय प्रयोगशाला से ही प्राप्त करें।
- पशुपालन: पशुओं को प्रोटीन युक्त संतुलित आहार, प्रतिदिन 40–50 ग्राम खनिज मिश्रण तथा पर्याप्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएँ। पशुशाला की नियमित साफ–सफाई बनाए रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.5 डिग्री सेल्सियस, जो से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.2डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी